

C.B.S.E Board

कक्षा : 10

हिंदी B – 2013

(Outside Delhi)

[Summative Assessment II (CCE)]

समय: 3 घंटे

पूर्णांक : 90

सामान्य निर्देश :

1. इस प्रश्न-पत्र के चार खंड हैं - क, ख, ग, और घ।
2. चारों खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।
3. यथासंभव प्रत्येक खंड के उत्तर क्रमशः दीजिए।

प्र.1. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के लिए सही

उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए : 1x5=5

कहते हैं कि एक बार अमीर खुसरो कहीं जा रहे थे। रास्ते में उन्हें प्यास लगी। उन्होंने देखा कि समीप के एक कुएँ पर चार पनिहारिनें पानी भर रही हैं। खुसरो ने देखते ही उनसे कहा कि मुझे बहुत ज़्यादा प्यास लग रही है, अतः पानी पिला दो। उनमें से एक औरत उन्हें पहचानती थी। उसने औरों से भी कह दिया कि यह अमीर खुसरो है। यह कवि है। वे औरतें बोली की क्या अमीर खुसरो तू ही है जिसके गीत औरतें गाती हैं और लोग उसकी पहेलियाँ तथा मुकरियाँ भी सुनते हैं ?

खुसरो ने 'हाँ' कहा तो एक औरत बोली - पहले हम सबको कविता सुनाओ, फिर पानी पिलाऊँगी। मैंने आज खीर बनाई है। दूसरी बोली, 'मैंने आज चरखा चलाया है।' तीसरी ने कहा 'मैंने आज ढोल बजाया है।' चौथी बोली, 'आज तो मेरा कुत्ता गुम हो गया है।' खुसरो ने कहा - प्यास के मारे मेरा दम निकला जा रहा है। पहले पानी पिला दो। वे बोलीं - जब तक

हमारी बात नहीं मानोगे तब तक पानी नहीं पिलायेंगी। झट खुसरो ने खीझकर कह दिया -

“खीर पकाई जतन से, चरखा दिया चलाय।

आया कुत्ता खा गया, तू बैठी ढोल बजाय।।”

यह सुनते ही खुसरो को पानी पिला दिया गया ।

(i) अमीर खुसरो ने रास्ते में स्त्रियों को क्या करते देखा ?

(क) बातें करते

(ख) झगड़ा करते

(ग) पानी भरते

(घ) गाना गाते

(ii) अमीर खुसरो प्रसिद्ध हैं

(क) चुटकुलों के लिए

(ख) अमीरी के लिए

(ग) शिकार के लिए

(घ) गीतों और मुकरियों के लिए

(iii) दूसरी औरत ने क्या कहा ?

(क) खीर बनाई है

(ख) चरखा चलाया

(ग) कुत्ता गुम हो गया

(घ) ढोल बजाया

(iv) खुसरो की क्या शर्त थी ?

(क) पानी पिलाने की

- (ख) कविता सुनाने की
- (ग) चरखा चलाने की
- (घ) खीर पकाने की

(v) गद्यांश का उचित शीर्षक हो सकता है

- (क) चार औरतें
- (ख) पनिहारिन
- (ग) कवि खुसरो
- (घ) प्यास

प्र. 2. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के लिए सही उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए : 1x5=5

विपदाएँ और रुकावटें बाहरी हस्तक्षेप हैं। हमारी अपनी आंतरिक शक्ति इन बाहरी हमलों की चिंता नहीं करती। किसी ने सही कहा है 'मन चंगा तो कठौती में गंगा'। हमारा बल और निर्बलता मन के हाथ में है। मैंने अपने जीवन-लक्ष्य की मशाल मन के हाथों में थमा दी है। मजाल कि अँधेरा अंधेर रच जाए। सोच-विचार कर कार्य करना और कार्य करने में आनंद लेना मेरा लक्ष्य है। फल की चिंता मेरे मन में जगती ही नहीं, लेकिन फल-प्राप्ति का आनंद भी बिना किसी प्रदर्शन और प्रचार के ले लेता हूँ। यदि हम समाधान के मोर्चे पर संकल्पवान बनें तो समस्याएँ जीवन को तोड़ नहीं सकतीं। उलझनें सुलझाई जा सकती हैं। जीवन में समाधान पर विश्वास और आशावान बने रहना चाहिए। इसकी पूर्ति के लिए तन-मन-धन से प्रतिपल तत्पर रहना चाहिए। उलझनों का दर्द और आफ़त की मार सहने की ताकत को बनाए रखना जीवन-धर्म है।

- (i) हमारी आंतरिक शक्ति को परवाह नहीं है
- (क) भौतिक आकर्षण की
 - (ख) आँधी तूफान की
 - (ग) विपदाओं और रुकावटों की
 - (घ) धूप और गर्मी का
- (ii) 'मन चंगा तो कठौती में गंगा' का आशय है
- (क) भौतिक समृद्धि सब कुछ है
 - (ख) स्वास्थ्य में ही जीवन का सुख है
 - (ग) मन की जीत पर ही सब जीत आधारित है
 - (घ) मानसिक सुख समस्त सुखों का आधार है
- (iii) समस्याएँ जीवन के लिए सरल कब बन जाती हैं ?
- (क) आंतरिक दृष्टि के क्षीण होने पर
 - (ख) दृढ़निश्चयी बनने पर
 - (ग) ईश्वर के प्रति आस्थावान होने पर
 - (घ) आत्मपौरुष का आश्रय लेने पर
- (iv) जीवन का धर्म है
- (क) दर्द और आफ़त सहने की ताक़त
 - (ख) दुख-दर्द न सहने की ताक़त
 - (ग) उलझनों में फँसे रहने की ताक़त
 - (घ) तन-मन-धन अर्पित करने की ताक़त
- (v) गद्यांश का उपयुक्त शीर्षक है

- (क) सुखी मन
- (ख) विपदाएँ और रुकावटें
- (ग) जीवन-धर्म
- (घ) संकल्प-शक्ति

प्र. 3. निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के लिए सही उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए : 1x5=5

धरती अपनी, समदरसी की साधना,
संकल्पों के सूरज का आकाश है।

चाँद-सितारे वासी अपने गाँव के
अभ्यासी आजन्म धूप के, छाँव के
नील कुसुम के बीज बिछाते रेत में
विश्वासी जीवन का बिरवा खेत में
स्वतंत्रता का राजमुकुट हर शीश पर
मन का राजसिंहासन सबके पास।

मानवता की मर्यादा जनतंत्र है
अनुशासन ही जीवन का गुरुमंत्र है
शूल-फूल से भरे हमारे रास्ते
लेकिन मंज़िल पर अपना विश्वास है।
सत्य, अहिंसा, शांति समय के सारथी
जीवन करवट बदल रहा हर मोड़ पर
आकुल होकर देख रहा इतिहास है॥

- (i) 'अभ्यासी आजन्म धूप के
- (क) केवल सुख सहने वाले

- (ख) केवल दुख झेलने वाले
- (ग) दुख-सुख सहने वाले
- (घ) दुख में घबरा जाने वाले

(ii) “संकल्पों के सूरज” से कवि का तात्पर्य है

- (क) देशवासी शक्तिमान् है
- (ख) देशवासी दृढ़निश्चयी हैं
- (ग) देशवासी सच्चे संरक्षक हैं
- (घ) देशवासी सूरज की तरह तैजस्वी हैं

(iii) ‘मन का राजसिंहासन सबके पास हैं - इस पंक्ति से कवि का आशय है

- (क) भारतवासी मन का राजसिंहासन चाहते हैं
- (ख) भारतीयों के मन में राज्य-प्राप्ति की इच्छा है
- (ग) भारतवासी मनोबल से युक्त मन के राजा हैं
- (घ) भारतवासी मनमानी करते हैं

(iv) जनतंत्र मर्यादा है

- (क) दानवता की
- (ख) मानवता की
- (ग) उपद्रवों की
- (घ) अशांति की

(v) काव्यांश का उचित शीर्षक हो सकता है

- (क) परतंत्र भारत
- (ख) उपद्रवी भारत

(ग) स्वतंत्र भारत

(घ) राजशाही भारत

प्र. 4. निम्नलिखित काव्यांश को ध्यान से पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के लिए सही उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए : 1x5=5

निमंत्रण मिलेगा सरल हास का, तो
लिए हाथ में फूल आगे बढ़ेंगे
चुनौती मिलेगी कुटिल भौंह की, तो
लिए हाथ में शूल आगे बढ़ेंगे।
लिए चंद्र का तोष है आँख दाईं
लिए सूर्य का रोष है आँख बाईं
समय की विकट धार को हम सदा ही
बदलते रहे थे - बदलते रहेंगे।
प्रकृति से हमें जो मिला बल, उसे हम
सदा निर्बलों की समझते हैं थाती
इसी से किसी चोट खाए हुए की
दशा देखकर आँख है तिलमिलाती।
तवारीख से कोई ले ले गवाही
हमारे ही ज्वालामुखी की तपन से
अहंकारियों की दिमागी कुटिलता
पिघलती रही थी पिघलती रहेगी।

(i) काव्यांश में चुनौती मिलने पर क्या करने की बात कही गई है ?

(क) फूल लेकर सामना करने की

(ख) शस्त्र लेकर सामना करने की

(ग) मुँह मोड़कर भाग जाने की

(घ) सामने आकर समर्पण करने की

- (ii) 'सूर्य का रोष' प्रतीक है
- (क) शांति का
 - (ख) अशांति का
 - (ग) क्रांति का
 - (घ) क्रोध का
- (iii) 'समय की विकट धार को बदलने' से तात्पर्य है
- (क) समय का सामना नहीं करना
 - (ख) समय के विपरीत चल देना
 - (ग) समय की परवाह न करना
 - (घ) समय को अपने अनुकूल कर लेना
- (iv) प्राकृतिक शक्ति की सार्थकता है
- (क) निर्बलों की सहायता में
 - (ख) निर्बलों को सताने में
 - (ग) निर्बलों को लुभाने में
 - (घ) निर्बलों को पीड़ा देने में
- (v) 'तवारीख' से तात्पर्य है
- (क) आज की तिथि
 - (ख) आगे आने वाली तिथि
 - (ग) वर्तमान समय
 - (घ) इतिहास

खण्ड ख

प्र. 5. (क) निम्नलिखित में रेखांकित पदबंधों के प्रकार लिखिए : 1x2=2

(i) पानी भरी सड़क पर निकलना कठिन है।

(ii) वह रोज़ मंदिर जाता रहता था।

(ख) निम्नलिखित वाक्यों में रेखांकित पदों का परिचय दीजिए : 1x3=3

(i) वीर लोग धरती की शोभा हैं।

(ii) हम बनारस घूमने गए थे।

(iii) क्या तुम आज यहीं रहोगे ?

प्र.6. (क) रचना की दृष्टि से वाक्य का प्रकार लिखिए : 1

तुम वहाँ मत जाओ जहाँ तुम्हारे विरोधी हों।

(ख) निम्नलिखित वाक्यों में निर्देशानुसार परिवर्तन कीजिए : 1x2=2

(i) वह कोच की सीख के अनुसार ही खेलता है। (मिश्र)

(ii) इस घर में कुत्ते हैं। यहाँ आने में खतरा है। (संयुक्त)

(ग) निम्नलिखित वाक्यों को शुद्ध रूप में लिखिए : 1x3=3

(i) अध्यापक से हिन्दी पढ़ाई है।

(ii) क्या आप खा लिए हैं ?

(iii) केवल यहाँ दो लोग रहते हैं।

प्र. 7. (क) निम्नलिखित शब्दों का संधि-विच्छेद कीजिए : 1x2=2

चिकित्साध्यक्ष, सर्वात्कृष्ट

(ख) निम्नलिखित शब्दों में संधि कीजिए : $\frac{1}{2} \times 2 = 1$

उप + अध्याय, लघु + आहार

प्र. 8 (क) निम्नलिखित का समास-विग्रह कर समास का नाम लिखिए :

देवलोक $\frac{1}{2} + \frac{1}{2} = 1$

(ख) निम्नलिखित का समस्त पद बनाकर समास का नाम लिखिए :

खराब जो यश $\frac{1}{2} + \frac{1}{2} = 1$

प्र. 9. निम्नलिखित मुहावरों तथा लोकोक्तियों का वाक्यों में प्रयोग इस प्रकार

कीजिए की उनका अर्थ स्पष्ट हो जाए : 1x4=4

(i) पहाड़ होना

(ii) जिगर के टुकड़े-टुकड़े होना

(iii) अधजल गगरी छलकत जाए

(iv) ऐरा गैरा नत्थू खैरा

खण्ड ग

10. निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के लिए सही

वाले विकल्प चुनकर लिखिए : 1x1

बैठि रही अति सघन बन, पैठि सदन-तन माँह।

देखि दुपहरी जेठ की छाँह।।

(i) अत्यंत गहन वन में कौन बैठी है ?

(क) नायिक

(ख) दोपहरी

(ग) चाँदनी

(घ) छाया

(ii) छाया पाने की इच्छा कब होती है ?

(क) जेठ की भीषण गर्मी में

(ख) सूरज उगने पर

(ग) वर्षा होने पर

(घ) वन में आग लगने पर

(iii) 'पैठि सदन' का तात्पर्य है

(क) आकाश में प्रवेश कर

(ख) अपने घर में प्रवेश कर

(ग) अपने घर से दूर जाकर

(घ) अपने घर को छोड़कर

(iv) निम्नलिखित में 'सदन' का समानार्थक नहीं है :

(क) गेह

(ख) निकेतन

(ग) सधन

(घ) आलय

(v) प्रस्तुत दोहे की भाषा है

(क) मैथिलि

(ख) अवधी

(ग) ब्रज

(घ) हिन्दी

अथवा

अनंत अंतरिक्ष में अनंत देव हैं खड़े,
समक्ष ही स्वबाहु जो बढ़ा रहे बड़े-बड़े।
परस्परावलंब से उठो तथा बढ़ो सभी,
अभी अमर्त्य-अंक में अपंक हो चढ़ो सभी ।
रहो न यों कि एक से न काम और का सरे,
वही मनुष्य है कि जो मनुष्य के लिए मरे॥

(i) अनंत अंतरिक्ष में कौन खड़ा है ?

(क) सूर्य-चंद्र

(ख) इन्द्र

(ग) परमेश्वर

(घ) देवसमूह

(ii) अंतरिक्ष में खड़े देव अमनी बाहु क्यों बढ़ा रहे हैं ?

(क) मदद के लिए

(ख) स्वस्थता के लिए

(ग) समृद्धि के लिए

(घ) मार्गदर्शन के लिए

(iii) 'परस्परावलंब' का आशय है

(क) एक-दूसरे का सहयोग लेना

(ख) एक-दूसरे से शत्रुता करना

(ग) एक-दूसरे से छल-कपट करना

(घ) दूसरे से स्वार्थ सिद्ध कराना

(iv) कवि मनुष्य को किस प्रकार रहने की सलाह देता है ?

(क) असहयोग की भावना से

(ख) सहयोग की भावना से

(ग) हिंसा की भावना से

(घ) पराधीनता की भावना से

(v) कविता का संदेश है

(क) जीवन की सार्थकता स्वार्थ सिद्धि में

(ख) जीवन की सार्थकता कुटिल व्यवहार में

(ग) जीवन की सार्थकता परोपकार में

(घ) जीवन की सार्थकता देवों के व्यवहार में

प्र. 11. निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 3

(क) 'गिरगिट' कहानी में ख्यूक्रिन ने कुत्ते के काटने के बदले मुआवज़ा पाने की क्या दलीलें दीं ? क्या आप उन दलीलों से सहमत हैं ? तर्कसहित उत्तर दीजिए।

(ख) जनरल साहब के भाई के साथ कुत्ते का सम्बन्ध जानकर ओचुमेलाव के विचार में क्या परिवर्तन आया और क्यों?

(ग) 'गाँधीजी में नेतृत्व की अद्भुत क्षमता थी।' गित्री का सोना' पाठ के आधार पर टिपण्णी कीजिए।

- प्र. 12. 'अब कहाँ दूसरे के दुख से दुखी होने वाले' पाठ का लेखक " मिट्टी मिले खो के सभी निशान" - उक्ति के माध्यम से क्या कहना चाहता है ?
उदहारण देकर स्पष्ट कीजिए।

अथवा

'कारतूस' पाठ के आधार पर लिखिए की जांबाज़ के जीवन का लक्ष्य अंग्रेजों को इस देश से बाहर करना था।

- प्र. 13. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

दुनिया कैसे वजूद में आई ? पहले क्या थी ? किस बिन्दु से इसकी यात्रा शुरू हुई ? इन प्रश्नों के उत्तर विज्ञान अपनी तरह से देता है, धार्मिक ग्रंथ अपनी-अपनी तरह से। संसार की रचना भले ही कैसे हुई हो लेकिन धरती किसी एक की नहीं है। पंछी, मानव, पशु, नदी, पर्वत, समंदर आदि की इसमें बराबर की हिस्सेदारी है। यह और बात है कि इस हिस्सेदारी में मानव जाति ने अपनी बुद्धि से बड़ी-बड़ी दीवारें खड़ी कर दी हैं। पहले पूरा संसार एक परिवार के समान था, अब टुकड़ों में बँटकर एक-दूसरे से दूर हो चुका है।

- (क) धरती किसी एक की नहीं है लेखक ने ऐसा क्यों कहा है ? 2
- (ख) धरती की हिस्सेदारी में दीवारे किसने और कैसे खड़ी कर दीं ? 2
- (ग) संसार अब कैसा हो चुका है ? 1

अथवा

चंद्र लोग कहते हैं गाँधीजी 'प्रेक्टिकल आइडियालिस्ट' थे। व्यावहारिकता को पहचानते थे। उसकी कीमत जानते थे। इसीलिए तो वे अपने विलक्षण आदर्श चला सके। वरना हवा में ही उड़ते रहते। देश उनके पीछे न जाता।

हाँ, पर गाँधीजी कभी आदर्शों को व्यावहारिकता के स्तर पर उतरने नहीं देते थे। बल्कि व्यावहारिकता को आदर्शों के स्तर पर चढ़ाते थे। वे सोने में तांबा नहीं बल्कि तांबे में सोना मिलाकर उसकी कीमत बढ़ाते थे।

इसलिए सोना ही हमेशा आगे आता रहता था।

- (क) 'प्रेक्टिकल आइडियालिस्ट' का क्या तात्पर्य है ? 2
- (ख) गाँधीजी व्यावहारिकता को आदर्श के स्तर पर कैसे चढ़ाते थे । 2
- (ग) गाँधीजी के पीछे देश क्यों गया ? 1

प्र. 14. निम्नलिखित में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 3x3=9

- (क) 'मधुर-मधुर मेरे दीपक जल' कविता में कवयित्री ने अपने प्रियतम को प्राप्त करने के लिए कौन-सा दीप जलाया है और वह उस दीपक को विहंस-विहंस जलने के लिए क्यों कह रही है ?
- (ख) कवि बिहारी का विश्वास है कि सच्चे मन में ही राम बसते हैं, बाह्य आडंबर में नहीं। बिहारी-रचित दोहे के संदर्भ में प्रस्तुत कथन की समीक्षा कीजिए।

(ग) 'कर चले हम फ़िदा' कविता में कवि ने देशवासियों से क्या अपेक्षाएँ रखी हैं ? क्या हम उन अपेक्षाओं को पूरा कर रहे हैं ? तर्कसहित उत्तर दीजिए।

(घ) 'आत्मत्राण' कविता में चारों ओर से दुखों से घिरने पर कवि परमेश्वर में विश्वास करते हुए भी अपने से क्या अपेक्षा करता है ?

प्र. 15. निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 3+3=6

(क) टोपी के भरे-पूरे परिवार में सभी प्रकार की सुविधाएँ थी, फिर भी वह इफ़फ़न की हवेली की तरफ क्यों खिंचा चला जाता था? स्पष्ट कीजिए।

(ख) टोपी ने मुन्नी बाबु की किस असलियत को घर वालों से छिपाकर रखा था, और क्यों ?

(ग) 'सपनों के-से दिन' पाठ के आधार पर लिखिए कि बच्चों की रुचि पढ़ाई में क्यों नहीं थी। माँ-बाप को उनकी पढ़ाई व्यर्थ क्यों लगती थी ?

प्र. 16. मास्टर प्रीतम चंद का विधार्थियों को अनुशासित रखने के लिए जो तरीका था, वह आज की शिक्षा-व्यवस्था के जीवन-मूल्यों के अनुसार उचित है या अनुचित ? तर्कसहित स्पष्ट कीजिए। 4

खण्ड घ

प्र. 17. दिए गए संकेत-बिन्दुओं के आधार पर निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर लगभग 100 शब्दों में एक अनुच्छेद लिखिए : 5

(क) ऋतुओं के बदलते रूप

- भारत की ऋतुएँ और उनके रूप
- आजकल ऋतुओं में अपूर्व परिवर्तन और कारण
- बदलती ऋतुओं का जनजीवन पर प्रभाव

(ख) शारीरिक शिक्षा और योग

- शारीरिक शिक्षा क्या और क्यों ?
- शारीरिक शिक्षा और योग
- प्रस्ताव और अच्छे परिणाम

(ग) हमारे पर्व

- पर्व क्या और क्यों ?
- पर्वों से लाभ, और कुप्रभाव
- कुप्रभाव से बचने के उपाय

- प्र. 18. विज्ञान की पढ़ाई को बढ़ावा देने के लिए विधालय की ओर से किए गए उपायों के बारे में अपने मित्र को पत्र लिखिए। 5

अथवा

हिन्दी-दिवस पर विद्यालय में आयोजित गोष्ठी का विवरण देते हुए, किसी प्रतिष्ठित दैनिक पत्र के संपादक को प्रकाशनार्थ पत्र लिखिए।